नवभारत 10
इंदौर, रविवार, 24 मई, 2026

खाचरौद तहसील में पानी की बूंद-बूंद बचाने की मुहिम शुरू

- सभी 130 पंचायतों के शासकीय भवनों में कराई रूफ वाटर हार्वेस्टिंग
- द्वितीय चरण में समस्त पीएम आवास और नवीन भवनों में अनिवार्यत: किया जायेगा वाटर हार्वेस्टिंग

खाचरौद। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सभी जिलों में जलसंरक्षण हेतु हर वर्ष की भांति जलगंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जो कि 19 मार्च से शुरू होकर 30 जून तक चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसहयोग से पानी की एक एक बूँद बचाने का प्रयास है।

जिला कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के अभियान की शुरुआत में ही शहरी क्षेत्रों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रो में भी वृहद स्तर पर जलसंरक्षण कार्यो के निर्माण एवं पूर्ण करने के निर्देश दिए गए एवं इन समस्त कार्यों जलसंरक्षण गतिविधियों की सघन मॉनिटरिंग की एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कुमट के द्वारा सभी जनपद में अमृत सरोवर, कूप रिचार्ज,चेकडेम, स्टॉपडेम, खेत तालाब, नाला ट्रेन्चिंग के कार्य पूर्ण कराए हैं एवं पुराने कार्यों में गाद निकालने, बावड़ी सफाई आदि कार्यों की पूर्णता की दिनरात मॉनिटरिंग की जा रही है।

इसी तारतम्य में खाचरौद जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गिर्राज शर्मा के नेतृत्व में प्रथम चरण में सभी 130 पंचायतों में कम से कम एक शासकीय भवन में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग करवाई गयी। इसके लिए पिछले एक हफ्ते से प्लानिंग की गयी। तत्पश्चात सभी नोडल, सचिव, सहायक सचिव को वर्कशॉप के माध्यम से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण की ट्रेनिंग दी गयी। इसके बाद हर 3 पंचायत पर जनपद स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों को नोडल बनाया गया। जिनकी उपस्थिति में पंचायत के सरपंच, सचिव, जीआरएस के सहयोग से सभी 130 पंचायत में उपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण किया गया।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग क्या है: वाटर हार्वेस्टिंग जिसे वर्षा जल संचयन भी कहा जाता है। बारिश के पानी को व्यर्थ बहने से बचाने और उसे इकट्ठा करके सही तरीके से उपयोग करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसमें बारिश के पानी को छत या खुले मैदानों से पाइपों के माध्यम से टैंक में स्टोर किया जाता है या सीधे जमीन के अंदर पहुंचाया जाता है।

वाटर हार्वेस्टिंग की आवश्यकता क्यों: लगातार पानी निकालने और कांक्रीट के कारण बारिश का पानी जमीन में नहीं जा पाता, जिससे जलस्तर गिर रहा है। वाटर हार्वेस्टिंग इस स्तर को सुधारने में मदद करती है। पानी की बचत-यह गर्मियों के मौसम में या पानी की कमी वाले क्षेत्रों में पीने, बागवानी और अन्य घरेलू कामों के लिए पानी का एक बेहतरीन विकल्प है।

जनपद खाचरौद में किस प्रकार बनाई रूफ वाटर हार्वेस्टिंग

समस्त130 पंचायतों के सचिव सहायक सचिव और नोडल को विशेषज्ञ इंजीनियर के द्वारा ट्रेनिंग दी गयी सामान्यत: पंचायत भवन की छत साइज के आधार पर 1.5 मीटर चौड़ा, 1.5 मीटर लम्बा, 1.5 मीटर गहरा गड्ढा बनाने के निर्देश दिए गए एवं छत के पानी को पाइप से कनेक्ट इस गड्ढे से जोड़ा गया जिसे रिचार्ज पिट बोलते है। इस गड्ढे में पानी को छानने के लिए सबसे नीचे बड़े बोल्डर, फिर गिट्टी और सबसे ऊपर रेत की परते बिछाई जाती है। इस प्रथम चरण में ब्लॉक खाचरौद की सभी 130 पंचायतों में कम से कम एक शासकीय भवन में वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पूर्ण करवाया गया जो कि 15वें वित्त, 5वें वित्त की राशि एवं जनसहयोग से किया गया। द्वितीय चरण में सभी पीएम आवास और नवीन निर्माणाधीन समस्त शासकीय भवन में वाटर हार्वेस्टिंग कार्य अनिवार्यत: किया जाएगा। तृतीय चरण में निजी घरों में भी बड़े स्तर पर वाटर हार्वेस्टिंग करवाया जायेगा। इसके अतिरिक्त खाचरोद जनपद में इस जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 101 खेत तालाब, 2 अमृत सरोवर, 510 कूप रिचार्ज, 17 चेकडेम स्टॉपडेम, 10 नाला ट्रेन्चिंग आदि कार्य पूर्ण किये है। इसके साथ ही जनसहयोग से 3 प्राचीन बावड़ी सफाई, 16 तालाब में गाद निकालना, 8 समुदाई कूप गहरीकरण एवं सफाई, 18 चेकडेम स्टॉपडेम में गाद निकालना एवं सभी 130 पंचायतों में सार्वजनिक प्याऊ निर्माण किया गया है।

एक नजर में

साहित्यकारों को किया पुरस्कृत

इंदौर. सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के हिंदी विभाग तथा अक्षर वार्ता पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कृष्ण बसंती अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार समारोह का आयोजन वाग देवी भवन में हुआ. इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में कई विद्वानों ने विचार व्यक्त किये. 20 के करीब साहित्यकारों को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर दो कृतियों जय श्री उपाध्याय एवं मोहन बैरागी के कहानी संग्रह का लोकार्पण हुआ. मुख्य अतिथि राज्यसभा के सदस्य संत बाल्मीकि धाम पीठाधीश्वर उमेश नाथ महाराज थे. अध्यक्षता पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु डॉ. शिव शंकर मिश्रा ने की. दूसरे सत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर कई विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किये. इस सत्र की अध्यक्षता हिंदी परिवार इंदौर के अध्यक्ष हरे राम बाजपेई ने की. उन्होंने कहा कि जिस विषय पर आज इतनी चर्चाएं हो रही है. इसके कई प्रसंग रामचरितमानस में मिल जाएंगे. कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के कुल अनुशासक डॉ शैलेंद्र शर्मा प्रोफेसर जगदीश शर्मा ने कार्यक्रम के संदर्भ में बताया. इसमें नांदेड़ महाराष्ट्र के महाविद्यालय की हिंदी विभाग अध्यक्ष डाक्टर शहनाज शेख शिशिर उपाध्याय मनीषा खेडेकर आदि साहित्यकारों और शोधार्थियों ने सहभागिता की.

अधिक मास के उपलक्ष्य में भागवत कथा

इंदौर. इंदिरा गांधी नगर के मां मंदिर में पंडित बलभद्र शर्मा द्वारा अधिक मास के उपलक्ष में प्रतिदिन श्रीमद् भागवत कथा सुनाई जा रही है. आज के प्रसंग में उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने बारे में ना सोचकर दुनिया की बुराइयों की ओर ध्यान देता रहता है जिसके कारण उसके विचार भी वैसे ही बन जाते हैं. हमें सद्भावना और शुभ विचार रखना चाहिए यही जीवन में सही मार्गदर्शन करते हैं कथा का सारांश बताते हुए. हरे राम बाजपेई ने बताया कथा प्रतिदिन शाम को 4 से 6 बजे तक होती है.

नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप की ट्रॉफी का अनावरण

इंदौर. इंदौर ब्यूटीशियन एसोसिएशन ने नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप 2026 के प्रचार और ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े प्रोफेशनल्स को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया. इस अवसर पर नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप की विजेता ट्रॉफी का अनावरण किया गया. यह चैंपियनशिप 20, 21 एवं 22 जुलाई को इंदौर में आयोजित होगी. आयोजन की रूपरेखा उन्नति सिंह द्वारा तैयार की जा रही है और इसे इंदौर ब्यूटीशियन एसोसिएशन का सहयोग प्राप्त है. नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप का उद्देश्य ब्यूटी इंडस्ट्री में आधुनिक शिक्षा, नई तकनीकों की जानकारी और व्यवसायिक विकास के अवसर प्रदान करना है. नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप की आयोजक उन्नति सिंह ने कहा हमारा लक्ष्य है कि नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप प्रतिभागियों को न केवल तकनीकी ज्ञान देगा, बल्कि उनके व्यवसाय और पहचान को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाएगा. कार्यक्रम में 100 से अधिक ब्यूटीशियन एवं प्रोफेशनल्स उपस्थित रहे. इंदौर ब्यूटीशियन एसोसिएशन की मीनाक्षी पुराणिक ने कहा नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि यह मंच हर कलाकार को अपनी प्रतिभा दिखाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर देता है. पिछले वर्ष नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए. कार्यक्रम में उज्जैन से विशेष रूप से रीना खंडेलवाल उपस्थित रहीं, जिन्हें इंदौर ब्यूटीशियन एसोसिएशन द्वारा सम्मानित किया गया। संचालन दुश्यंत एवं मन ने किया.

फूड फेस्टिवल में मिलेगा विविध राज्यों के स्वादों का अनुभव

इंदौर. शहर के फूड लवर्स के लिए इस गर्मी एक बेहद खास और स्वाद से भरपूर अनुभव लेकर आ रहा है फेयरफील्ड बाय मैरियट इंदौर. 22 से 31 मई तक द ग्रेट इंडियन फूड वॉयज थीम पर आधारित कर्नाटक टू कटक फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है, जहां मेहमान भारत के दो अलग अलग सांस्कृतिक क्षेत्रों के प्रामाणिक और पारंपरिक स्वादों का आनंद एक ही छत के नीचे ले सकेंगे. शेफ कमल राणा ने बताया कि फूड फेस्टिवल को खास बनाने के लिए होटल के एक्सपर्ट शेफ्स ने पारंपरिक रेसिपीज को ऑथेंटिक तरीके से तैयार किया है. मेहमानों को दक्षिण भारतीय फ्लेवर्स, कोस्टल स्पेशलिटीज, ट्रेडिशनल करी, चावल आधारित व्यंजन, मसालों की अनोखी खुशबू और क्षेत्रीय मिठाइयों का शानदार अनुभव मिलेगा. यह फूड फेस्टिवल भारतीय खानपान की विविधता और समृद्ध विरासत को समर्पित है. आयोजन के दौरान कर्नाटक के मसालेदार, नारियल और करी पत्तों से भरपूर व्यंजनों से लेकर ओडिशा के पारंपरिक और सौम्य स्वाद वाले पकवानों तक, हर डिश लोगों को भारत की अलग अलग संस्कृतियों से रूबरू कराएगी. आयोजन का उद्देश्य लोगों को भारत की असली पाक कला से जोड़ना और उन्हें एक यादगार गैस्ट्रोनॉमिक जर्नी का हिस्सा बनाना है. मैनेजर सुदीप सिन्हा ने कहा, फेस्टिवल का माहौल भी भारतीय संस्कृति की झलक से भरपूर रहेगा. पारंपरिक थीम, खूबसूरत प्रस्तुति और भारतीय आतिथ्य का विशेष अनुभव मेहमानों को एक अलग ही माहौल में ले जाएगा. य हां लोग स्वाद के साथ साथ यादगार पल भी साझा कर सकेंगे.

विहिप ने गौ तस्करी रोकने के लिए दिया ज्ञापन

घट्टिया। विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा विभाग मालवा प्रान्त देशी गौवंश रक्षण संबर्धन न्यास के तत्वावधान में विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गोवंश रक्षा-राष्ट्र रक्षा हेतु बकरीद से पूर्व गोवंश रक्षा व गौ तस्करी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निश्चित करने के लिए राज्यपाल के नाम का ज्ञापन शनिवार को पुलिस थाना कार्यालय पर उपनिरीक्षक अंकलेश डांगे को दिया।

ज्ञापन में गौ तस्करी रोकने सहित प्रदेश में लागू गौवंश हत्या रोधी कानून का सख्ती से पालन कराने, प्रदेश सरकार सहित स्थानीय प्रशासन द्वारा गौ रक्षकों का सहयोग करने, महाराष्ट्र व राजस्थान की तर्ज पर मध्यप्रदेश में गौ माता को राज्यमाता का दर्जा प्रदान करने, गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने आदि मांगों का ज्ञापन दिया।

ज्ञापन का वाचन जिला विद्यार्थी प्रमुख कमलेश गेहलोत ने किया। ज्ञापन देने में प्रताप नगर प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख पवन जाधव, सुरक्षा प्रमुख मोहितसिंह, साप्ताहिक मिलन प्रमुख सोनु कुशवाह, सह गौ रक्षा प्रमुख ब्रज जैन, शिवम चौधरी, धीरज चौधरी, शंकर सिंह, आशीष सुनहरिया, मानस वैष्णव, अर्जुन वर्मा, प्रेम सिंह, गौरव बैरागी, प्रियांशु कदम, योगेंद्र सिंह, हर्ष टांकले आदि गौसेवक उपस्थित थे।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को किया याद

घट्टिया। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पैंतीसवीं पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस सेवादल ग्रामीण द्वारा चौक बाजार जगोटी में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। अध्यक्षता करते हुए जिला ग्रामीण अध्यक्ष डॉ. चैनसिंह चौधरी ने दिवंगत नेता के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके राजनीतिक जीवन व उदारवादी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके सोच बहुआयामी थी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता अनंत शर्मा, रजनीश तिवारी, मोहनलाल हेड़ा, शिवनारायण चौहान बरखेड़ी, भारत पटेल, मनोहर आंजना मुन्ने खां पठान, टीकम परमार ताजपुर, कुलदीप आंजना, मनीष पांचाल, बिरमानंद सेन, सलमान शेख, ओण आंजना हिंगोनिया, बंटी चौहान आदि मौजूद थे।

अवैध शराब बेचने और तस्करी के दो दिन में डेढ़ दर्जन प्रकरण किए दर्ज

- आबकारी विभाग की टीम ने 18 लीटर अवैध शराब और 50 किलोग्राम महुआ लहान किया जब्त

उज्जैन। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर जिले में अवैध शराब पर शिकंजा कसा। इसी क्रम में आबकारी विभाग द्वारा 20-21 मई को 17 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

आबकारी विभाग उज्जैन द्वारा अवैध मदिरा विक्रय, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाइयां की जा रही है। इसी अनुक्रम में कलेक्टर जिला उज्जैन रौशन कुमार सिंह के आदेश तथा प्रभारी सहायक आयुक्त जिला उज्जैन निधि जैन के निर्देशन में सहायक नियंत्रण कक्ष प्रभारी प्रतीक गुप्ता के नेतृत्व में गठित टीम ने 20 मई एवं 21 मई को अवैध मदिरा विक्रय, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध 17 प्रकरण

पंजीबद्ध कर 18 लीटर मदिरा एवं 50 किलोग्राम महूआ लहान जब्त कर 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। क्षेत्र के चौधरी का ढाबा, शिवा वेली ढाबा, सुराना डिलीकेसिज़ होटल, भद्रकाली ढाबा, युवराज ढाबा, समर्पण ढाबा, संजू का ढाबा, सोनू का ढाबा, ग्राम बिसनखेडी, ग्राम चिड़ी, ग्राम रोहलकलां में बारीकी से चेकिंग की गई है। ढाबों पर अवैध मदिरापान करने वालों एवं ढाबा संचालकों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 36 के अंतर्गत कार्रवाई की गई। अवैध मदिरा के विरुद्ध नगर में संदेह के आधार पर आने वाले वाहनों की भी सतत चेकिंग की जा रही है। सहायक नियंत्रण कक्ष प्रभारी अधिकारी प्रतीक गुप्ता ने बताया कि जिले में कही भी अवैध मदिरा का विक्रय, परिवहन न हो, इसके लिए विभाग प्रतिबद्ध है। जिले में मुखबिर तंत्र सक्रिय है, अवैध मदिरा के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस में चयनित तीन बेटियों का किया सम्मान

घट्टिया। एक ग़रीब परिवार की तीन बेटियां अपनी लगन व मेहनत के दम पर मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में कांस्टेबल पद पर चयनित हुई, ट्रेनिंग दी व अब भोपाल, जबलपुर व उज्जैन के थानों पर ड्यूटी देते हुए अपने कर्त्तव्य का निर्वहन कर रही है।

जगोटी निवासी मोतीराम परमार लघु कृषक हैं। उनकी पत्नी मधुकांता कन्या विद्यालय में मध्यान्ह भोजन योजना संचालित करती है। इस दंपत्ति की तीन बेटियां ममता, ज्योति व सोना परमार के पुलिस कांस्टेबल बनने के पश्चात शुक्रवार को जगोटी में स्वागत जूलुस निकाला गया। जिसका जगह-जगह विभिन्न वर्गों के लोगों ने स्वागत किया। चौक बाजार में पूर्व सरपंच हाकमसिंह बापू, जिला कांग्रेस सेवादल ग्रामीण अध्यक्ष डॉ. चैनसिंह चौधरी, रवि बोडाना मित्र मंडल, संत रविदास समाज, सुनील आंजना मित्र मंडल, मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के मोहनलाल हेड़ा, अनंत शर्मा, गोपाल गुजराती, बिरमानंद सेन, मुन्ने खां पठान, रजनीश तिवारी सहित सामाजिक संगठनों ने तीनों बहिनों का शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। स्वागत यात्रा का कबीर चौराहा पर भी पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

एक नजर भागवत कथा का छठा दिन- श्रीकृष्ण लीलाओं का हुआ मनोहारी वर्णन, छप्पन भोग का किया आयोजन

बेटियों का सम्मान करने वाले घरों में होता है लक्ष्मी का वास : संत संतोष देव

उज्जैन। पूज्य सिंधु भाईबंध समाज कल्याण एवं उत्थान समिति उज्जैन के तत्वावधान में संत लीला शाह कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल अब्दालपुर में चल रही भागवत कथा के छठे दिन अमरावती महाराष्ट्र के शिव धारा आश्रम से आए संत श्री संतोष देव जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। प्रवचनों की अमृत वर्षा करते हुए उन्होंने कहा कि वे माता-पिता भाग्यशाली हैं जिनके घर बेटियां हैं। जिस घर में बेटियों की पूजा होती है, वहां सदैव देवताओं और माता लक्ष्मी का वास होता है।

समिति अध्यक्ष दौलत खेमचंदानी ने बताया कि महाराज जी ने कलयुग में कीर्तन और सत्संग को ही भवसागर पार करने का माध्यम बताया। प्रकृति के नियमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह शरीर नाशवान है। यह जिंदगी का मेला है, जहां आना-जाना लगा रहता है।

श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों और लीलाओं का किया वर्णन: संत श्री ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मनोहारी वर्णन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने बताया कि भगवान को अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न नामों से पूजा जाता है; जैसे राजस्थान में सांवरिया सेठ और श्रीनाथ, महाराष्ट्र में पंढरीनाथ और विठ्ठल, दक्षिण में जगन्नाथ तथा गुजरात में द्वारकानाथ। कथा में भक्त नामदेव की भक्ति, कंस वध कर उग्रसेन को राजा बनाने, गोपियों व उद्धव के प्रसंग के साथ-साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उज्जैन के गुरु सांदीपनि आश्रम में 64 कलाओं की शिक्षा ग्रहण करने का मार्मिक चित्रण किया गया।

स्व. हरिराम बलवानी की स्मृति में लगा छप्पन भोग: आयोजन में श्री गोपाल बलवानी ने अपने पिता स्वर्गीय श्री हरिराम जी बलवानी की स्मृति में भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया। कथा के दौरान नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने संत श्री का स्वागत किया और सिंधी भाषा में हो रहे इस धार्मिक आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इन्होंने किया स्वागत एवं संयोजन

कथा में महेश परियानी, गोपाल बलवानी, प्रताप रोहेरा, महेश गंगवानी, रमेश समदानी, जवाहर सनमुखानी, रमेश गजरानी, श्याम महेश्वरी और सुशीला दिलीप राठौर सहित विभिन्न समाजसेवियों ने संत श्री का स्वागत किया। आयोजन में सिंधु जागृत समाज उज्जैन, समर्थ सेवा संस्था, हरे माधव ग्रुप पंचायत, पूज्य सिंधी जेकबाबाद पंचायत, सिंधी क्लॉथ मार्केट, सिंधी भाई बंद पंचायत बुधवारिया और इंदिरा नगर पंचायत की विशेष सहभागिता रही। कार्यक्रम का सफल संयोजन प्रकाश थानी, सुरेश पुर्सवानी, मुरलीधर कोटवानी, श्रीमती राजकुमारी खेमचंदानी, दिव्या टहलवानी, रीना मोटवानी और भारती खेमचंदानी ने किया। अंत में आभार भगवान शेवानी, भूमि मूलचंदानी और कमल मोटवानी ने माना।